# 53 वीँ cd rd वांर्षिक रिपोर्ट 2017-18 




माननीय इस्पात मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह
Hon'ble Minister of Steel Chaudhary Birender Singh


माननीय इस्पात राज्यमंत्री श्री विष्णु देव साई Hon'ble Minister of State for Steel

Shri Vishnu Deo Sai


डॉ. अरुणा शर्मा सचिव (इस्पात)
Dr. Aruna Sharma Secretary (Steel) (upto 31.08.18) (31.08.18 तक)

## )



श्री विनय कुमार
सचिव (इस्पात) Shri Binoy Kumar Secretary (Steel) (from 01.09.18) (01.09.18 से)

## 53 <br> Annual Report

## विषय-सूची

## Contents

निदेशक मंडल / Board of Directors ..... 2
प्रबंधन दल / Management Team ..... 3
दृष्टि एवं ध्येय / Vision \& Mission ..... 4
वर्तमान एमएसटीसी / MSTC at Present ..... 5
अध्यक्षीय भाषण / Chairman's Statement ..... 6
बोर्ड की रिपोर्ट / Board's Report ..... 10
स्टैंडएलोन रिपोर्ट / Standalone Report ..... 91
क) लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट / Auditors' Report ..... 92
ख) कैग रिपोर्ट / CAG Report ..... 105
ग) तुलन पत्र / Balance Sheet ..... 106
घ) इक्विटी में बदलाव का विवरण / Statement of Changes in Equity ..... 107
ङ) लाभ-हानि का विवरण / Statement of Profit \& Loss ..... 108
च) नगद प्रवाह का ब्यौरा / Statement of Cash Flow ..... 109
छ) वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियां / Notes on Financial Statements ..... 110
समेकित रिपोर्ट / Consolidated Report ..... 171
क) लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट / Auditors' Report ..... 172
ख) कैग रिपोर्ट / CAG Report ..... 181
ग) तुलन पत्र / Balance Sheet ..... 182
घ) इक्विटी में बदलाव का विवरण / Statement of Changes in Equity ..... 183
ङ) लाभ-हानि का विवरण / Statement of Profit \& Loss ..... 184
च) नगद प्रवाह का ब्यौरा / Statement of Cash Flow ..... 185
छ) वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियां / Notes on Financial Statements ..... 186

श्री बी. बी. सिंह
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक
Shri B. B. Singh
Chairman-cum-Managing Director


निदेशक (वाणिज्यिक)
Ms. Bhanu Kumar
Director (Commercial)


श्रीमती रुचिका चौधरी गोविल सरकारी नामांकित निदेशक Ms. Ruchika Chaudhry Govil
Govt. Nominee Director


श्री जी.आर. अलोरिया
स्वतंत्र निदेशक
Shri G. R. Aloria Independent Director


डॉ. टी.वी.
मुरलीवल्लभन
स्वतंत्र निदेशक
Dr. T. V.
Muralivallabhan
Independent Director


डॉ. आर. एस. येली स्वतंत्र निदेशक Dr. R. S. Yeli Independent Director

## प्रबंधन दल / Management Team



श्री आर.के. चौधुरी मुख्य महाप्रबंधक (वि व ले) Shri R.K.Chaudhuri CGM (F\&A)


श्री एम.पी. श्रीवास्तव महाप्रबंधक (सीसी)
Shri M. P. Shrivastava


श्रीमती वी. वसन्ती महाप्रबंधक (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के तकनीकी सचिव) Smt. V. Vasanti GM (TS to CMD)

## श्री अजय कुमार राय कंपनी सचिव <br> (27.07.2018 स) <br> Shri Ajay Kumar Rai <br> Company Secretary <br> (From 27.07.2018)

लेखा परीक्षक
डी. के. छजर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल

## Auditors

D. K. Chhajer \& Co.

Chartered Accountants

## बैंकर्स

बैंक ऑफ बरोदा
बैंक ऑफ इंडिया
एचडीएफसी बैंक
इंडियन बैंक
इण्डस इंड बैंक
पंजाब नैशनल बैंक
भारतीय स्टेट बैंक
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया
येस बैंक

पंजीयक एवं अंतरण अभिकर्ता :
सी बी मैनेजमेंट सर्विसेज (प्रा.) लिमिटेड पी-22, बोंडेल रोड, कोलकाता-700 019

## Bankers

Bank of Baroda
Bank of India
HDFC Bank
Indian Bank
Indus Ind Bank
Punjab National Bank
State Bank of India
Union Bank of India
United Bank of India
Yes Bank

## Registrar and Transfer Agents :

C B Management Services (P) Ltd.
P-22, Bondel Road, Kolkata - 700019

सचिवालय लेखा परीक्षक
सौम्य ज्योति सील, अभ्यासरत कंपनी सचिव

## Secretarial Auditors

Saumayo Jyoti Seal, Practising Company Secretary
पंजीकृत एवं प्रधान कार्यलय
225-सी, आचार्य जगदीश चंद्र बोस रोड
कोलकाता-700 020
दूरभाष : (+91 33) 2290 0964, 22877557/0568/9627
फैक्स: (+91 33) 2287 8547, 22404176
ई-मेल: mstcindia@mstcindia.co.in
Registered \& Head Office
225-C, Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Kolkata - 700020
Phone : (+91 33) 2290 0964, 22877557/0568/9627
Fax : (+91 33) 22878547,22404176
e-mail : mstcindia@mstcindia.co.in

## दृष्टि, ध्येय और लक्ष्य

## दृष्टि

क) विश्व बाजार में ई-कॉमर्स की शीर्ष कंपनी बनना।
ख) ट्रेडिंग के क्षेत्र में एक प्रमुख विश्वसनीय और पारदर्शी कंपनी बनना।
ग) अनुपयोगी सामग्री को टिकाऊ एवं पर्यावरण-हितैषी पुनर्प्रक्रिया के माध्यम से उपयोगी सामग्री में बदलना।

## ध्येय

क) ई-कॉमर्स के व्यापक उपयोग से पारदर्शिता और बेहतर कीमत सुनिश्चित करना।
ख) परेशानी मुक्त और निष्पक्ष ई-कॉमर्स से ट्रेडिंग को शक्ति-सम्पन्न बनाना।
ग) टिकाऊ एवं पर्यावरण-हितैषी पुनर्प्रक्रिया को बल देना।
घ) निरंतर नवोन्मेष के माध्यम से अपने सभी स्टेक होल्डरों को वांछित परिमाण देना।
ङ) निरंतर अपने कार्य-क्षेत्र में नए क्षेत्र की तलाश करना तथा अपनी सेवाओं की गुणवत्ता में लगातार वृद्धि करना।

## लक्ष्य

क) ई-कॉमर्स की विश्वसनीय सुगम सेवा से विश्व स्तर पर सीमा पार व्यवसाय को शक्ति-सम्पन्न बनाते हुए भारत की हिस्सेदारी में वृद्धि करना।
ख) अपने व्यवसायिक सहयोगियों को त्वरित और कुशल सेवाएं प्रदान करते हुए अपने व्यवसाय के प्रति ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाना तथा ग्राहकों की संतुष्टि में महत्वपूर्ण-सकारात्मक योगदान करना।
ग) भारत और अन्य देशों के सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की कंपनियों की लेनदेन एवं बेहतर कीमत पाने के लिए अपना सुरक्षित और पारदर्शी ईकॉमर्स प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना।
घ) सक्षम, समर्पित और उत्प्रेरित कार्यबल का विकास करना।
ङ) मेटल एवं ई-वेस्ट रिसाइक्लिंग के क्षेत्र में तथा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर भावी व्यवसाय-वृद्धि के लिए ऐसी कंपनियों से संयुक्त उद्यम की कंपनी बनाना, जो इन उपक्रमों में समन्वयक की भूमिका निभाए।
च) नियोजित पूंजी पर इष्टतम रिटर्न सुनिश्चित करने और नेट वर्थ पर $15 \%$ की वापसी हासिल करने के लिए उपरोक्त गतिविधियों को शुरू करना।
छ) रिसाइक्लिंग क्षमता निर्माण में निवेश कर और स्क्रैप के सुनियोजित निपटान के लिए अपना पारदर्शी प्लेटफॉर्म देते हुए देश में पुनर्नवीनीकरण मेटल और ई-वेस्ट वस्तुओं की मांग बनाना और उनकी आपूर्ति में वृद्धि करना।

## Vision, Mission and Objectives

## Vision

a) To be the global market leader in e-commerce domain.
b) To emerge as a dominant player in secured and transparent trading.
c) Creating value from waste resources through sustainable and eco-friendly recycling.

## Mission

a) To ensure transparency and better price discovery through extensive use of e-commerce.
b) To ensure hassle-free and fair e-commerce enabled trading.
c) To promote sustainable and eco-friendly recycling.
d) To strive for continuous innovation to deliver desired value to our stakeholders.
e) To penetrate and expand the markets we handle and enhance the value of services we render on sustained basis.

## Objectives

a) To increase India's share in global cross border trade by facilitating reliable e-commerce enabled trading.
b) To improve customer experience and make a significant positive impact on customers' satisfaction by providing prompt and efficient services to business associates, driving improved loyalty to its business.
c) To provide a secure and transparent e-commerce platform enabling better price discovery and meet the transactional requirements of Indian and cross border public and private sector enterprises.
d) To develop and maintain a competent, dedicated and motivated workforce.
e) To, enter into joint ventures with enterprises offering synergy in the area of metal and e-waste recycling, prospective business on e-commerce platform.
f) To undertake these activities so as to ensure an optimum return on capital employed and to attain a return of $15 \%$ on the net worth.
g) To build demand and increase supply of recycled metal and e-waste commodities in the country by investing in recycling capacity building and providing a transparent platform for organized disposal of scrap.

## वर्तमान एमएसटीसी

9 सितंबर, 2018 को एमएसटीसी ने अपने अस्तित्व के 53 वर्षों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और विकास की लंबी यात्रा के 54 वें वर्ष के लिए अपने रास्ते पर प्रशस्त है। एक छोटी सी कैनलाइजड एजेंसी से, यह अपने को ई-कॉमर्स की बी 2 बी सेक्टर की बड़ी कंपनी में तब्दील हो गई है और सार्वजनिक क्षेत्र में एकमात्र ऐसी कंपनी होने का गौरव प्राप्त किया है।

एमएसटीसी आज कच्चे माल के समर्थन और सीमलेस ई-कॉमर्स सेवाओं के लिए स्टील और पेट्रोकेमिकल क्षेत्रों में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है, जिसमें विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, केंद्र सरकार/राज्य सरकार और निजी क्षेत्र की कंपनियों के लिए अभिनव दृष्टिकोण है। कोयला ब्लॉकों की सफल ई-नीलामी एमएसटीसी की एक और उपलब्धि है और एमएसटीसी आज पहले की तुलना में काफी बड़ा हुआ है। यह सबसे पसंदीदा सेवा प्रदाता और विभिन्न केंद्रीय पीएसयू, राज्य सरकारें एमएसटीसी को अपने मजबूत परिचय हेतु नामांकन आधार पर शामिल कर रही है।

एमएसटीसी आज श्रेणी-1 मिनी रत्न सार्वजनिक क्षेत्र की अनुसूची 'बी' कंपनी है जो इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन है।

1964 में एक छोटी सी ट्रेडिंग कंपनी के रूप में शामिल किया गया था, जिसमें 6 लाख रुपये की छोटी पूंजी थी। पिछले 53 वर्षों में यह एक बड़ी बहु-उत्पाद विविध कंपनी बन गई है। एमएसटीसी ने चार बार बोनस शेयर जारी किए हैं और शेयरधारकों के मूल्य में काफी बढ़ोतरी हुई है और एक मूल शेयर अब बत्तीस शेयर है। इसने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर के अलावा सरकारी खज़ाने को काफी लाभांश दिया है।

एमएसटीसी कच्चे माल के संदर्भ में औद्योगिक उपयोग के लिए स्क्रैप के पुनर्चक्रण की सुविधा देता है और इससे इनपुट लागत में कमी, ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होता है और आखिरकार पर्यावरण को बचाता है इस प्रकार यह सरकार के 'स्वच्छ भारत' मिशन में काफी योगदान देता है।

एमएसटीसी अपने सीएसआर पहल के तहत पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और वंचित वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है।

हाल ही में, महिंद्रा ग्रुप के साथ संयुक्त उद्यम कंपनी के माध्यम से एमएसटीसी ने एक ऑटो-श्रेडिंग प्लांट की स्थापना की है। यह भारत में अपनी तरह का एकमात्र संगठन है और ऐसी सामग्रियों के आयात के अलावा विशेष ग्रेड स्टील्स रिसाइक्लिंग करने में लंबा रास्ता तय करेगा।

एमएसटीसी आज अपने गौरवशाली अस्तित्व के 54 वें वर्ष में देश के लोगों, सरकार, हितधारकों के प्रति कंपनी में विश्वास रखने के लिए आभार व्यक्त करता है। हम अपनी व्यवसायिक गतिविधियों में नैतिक व्यवसायिक सिद्धांतों, वांछनीय शासन, प्रबंधन क्षमताओं, सामाजिक कारण, पारदर्शिता और निष्पक्षता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता दोहराते हैं।

## MSTC at Present

MSTC has successfully completed 53 years of its existence on 9th September 2018 and is moving on its way to 54th year of a long journey of growth. From being a small canalized agency, it has transformed itself into e-commerce giant in B2B sector and has the distinction of being only such company in public sector.

MSTC today is rendering its services to steel and petrochemical sectors for raw material support and seamless e-commerce services with innovative approach to various PSUs, Central Government/State Government and private sector companies. Successful e-auction of coal blocks is yet another feather in MSTC's cap and MSTC today stands taller than yesterday. It is the most preferred service provider and various Central PSUs, State Governments are engaging MSTC on nomination basis based on its strong credentials.

MSTC today is category-I Mini Ratna Public Sector schedule ' $B$ ' company under the administrative control at Ministry of Steel, Govt. of India.

Incorporated in 1964 as a small trading company with a meagre capital of $₹ 6$ lakhs, in last 53 years it has grown into a large multi-product diversified company. MSTC has issued bonus shares four times and the shareholders' value has substantially being enhanced and one original share is now thirty-two shares. It has paid substantial dividends to the Government exchequer apart from direct and indirect tax.

MSTC facilitates in recycling of scrap for industrial use in terms of raw materials and thereby reduces input cost, conserve energy \& natural resources and ultimately protects the environment. Thus it contributes significantly to "Swachh Bharat" Mission of the Government.

MSTC is committed to protection of environment, natural resources, uplift of the poor and under privileged class under its CSR initiatives.

Recently, MSTC has set up an auto- shredding plant through a JV company with Mahindra Group. This is one of its own kind in India and will go a long way in recycling special grade steels besides substituting imports for such materials.

MSTC today on its 54th year of glorious existence expresses its gratitude to the people of the country, the Government, the stakeholders for reposing faith in the company. We reiterate our commitment to ethical business principles, desirable governance, management capabilities, social cause, transparency and fairness in all its business activities.


## अध्यक्षीय संबोधन

## Chairman's Statement

देवियो और सज्जनो,
मैं कंपनी की 53 वीं वार्षिक साधारण सभा में आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हूँ। इस मंच के माध्यम से अपने विचारों को आपसे बाँटते हुए मुझे बहुत खुशी महसूस हो रही है। चूँकि आवश्यक कोरम यहाँ उपस्थित है, इसलिए मैं इस सभा को खुली सभा के रूप में घोषित करता हूँ।

कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुपालन में आवश्यक कागजात/रजिस्टर सभा स्थल में रखे हुए हैं एवं सभा चलने के दौरान सभी के लिए उपलब्ध रहेंगे।

वार्षिक वित्तीय विवरण एवं बोर्ड की रिपोर्ट सभा की इस सूचना के साथ आपके पास भेज दिए गए हैं और हम समझते हैं कि आपने अपने कीमती समय में से कुछ समय निकाल कर इन्हें पढ़ा होगा।

## हमारे कार्यनिष्पादन की मुख्य बातें

हालांकि मूल्य की दृष्टि से भौतिक कार्य-निष्पादन उत्साहवर्धक रहा था, पर विभिन्न कारणों से समानुपातिक राजस्व की उपलब्धि नहीं हुई थी। हमारे ग्राहकों की ओर से सेवा प्रभार में कमी लाने का दबाव, इसकी एक बड़ी वजह रही थी। इसके बावजूद आपकी कंपनी ने ₹ 111.59 करोड़ के कर-पूर्व लाभ (पीबीटी) के साथ इस वित्तीय वर्ष को समाप्त किया, जबकि पिछले वर्ष यह राशि ₹ 96.61 करोड़ रही थी।

## एमएसटीसी के फायदे

ई-कॉमर्स में एक सेवा प्रदाता के रूप में एमएसटीसी की एक महत्वपूर्ण भूमिका रही है और इसने बाजार में एक अग्रणी कंपनी के रूप में अपनी पहचान बनायी है। अधिकांश केन्द्रीय/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम/राज्य सरकार के विभाग एवं निजी क्षेत्र के संस्थानों में अपने विभिन्न ग्राहकों को इसने अपनी विशिष्ट पारदर्शी, निष्पक्ष एवं अबाध ई- कॉमर्स सेवाएँ उपलब्ध करायी हैं।

## श्रेडिंग प्लांट के लिए संयुक्त उद्यम

वर्ष के दौरान, एमएसटीसी ने भारत में प्रथम ऑटो श्रेडिंग प्लांट की स्थापना हेतु महिन्द्रा इंटरट्रेड लि. के साथ एक संयुक्त उद्यम कंपनी "महिन्द्रा एमएसटीसी रिसाइक्लिंग प्रा. लि. " का गठन किया है, जिसके लिए निविष्ट कच्चे सामान जैसे कि कॉण्डेम्न्ड (निराकृत) ऑटोमोबाइल, व्हाइट गुड्स आदि की जरूरत पड़ती है। प्रमुख ऑटो श्रेडिंग प्लांट के लिए फीडस्टॉक उपलब्ध कराने हेतु ग्रेटर नोएडा में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी की मदद से एक संग्रह एवं विघटन केन्द्र की स्थापना की गई है। प्लांट में शियरर-सह-बेलर के लिए बुनियादी कार्य पूरा हो चुका है। हाइड्रॉलिक सीज़र भी प्रस्तुत किया जाएगा।

## Ladies and Gentlemen,

I heartily welcome you all to this 54th Annual General Meeting of the Company. I am privileged to share my thoughts with you through this forum. Since, the requisite quorum is present I hereby declare the meeting as open.

Necessary documents/registers in compliance with the provisions of the Companies Act, 2013 are lying open at the meeting venue and shall remain open and accessible during the continuance of the meeting.

The Annual Financial Statement and the Board's Report have been sent along with the notice of the meeting and I presume that you have spared some part of your valued time to read it.

## Performance Highlights

Though the physical performance in terms value was encouraging,the revenue generated was not proportionate due to various reasons. One of the reasons was pressure for reduction of service charges by our clients. In spite of the same the Company ended the financial year with PBT of ₹ 111.59 Crore compared to ₹ 96.61 Crore during the previous year.

## MSTC Advantage

MSTC plays a very important role as a service provider in e-commerce and is a market leader in this sector. It has the distinction of serving majority of Central/PSUs/State Govt. Departments and Private Institutions for providing transparent, fair \& seamless e-Commerce services to its clients.

## Joint Venture for Shredding Plant

During the year MSTC has formed a Joint Venture Company "Mahindra MSTC Recycling Pvt. Ltd." with Mahindra Intertrade Ltd., to set up the first Auto Shredding Plant in India for which input raw materials like condemned automobiles, white goods, etc. are required. A collection and dismantling centre with state-of-the-art technology has been set up in Greater Noida as a supply feedstock for the main Auto Shredding Plant. Foundation work for the shearer cum baler in the plant is completed. Hydraulic Scissor will also be ready.

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)
दोस्तो, आपके अटूट भरोसे, प्रोत्साहन और सहयोग ने हमारे कार्यनिष्पादन को बेहतर बनाने के लिए हमें हमेशा अनुप्रेरित किया है। हम जन समुदाय एवं समाज के जीवन-स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में हमेशा प्रतिबद्ध रहे हैं। हमने विशेष रूप से ग्रामीण अंचलों में विभिन्न सामाजिक विकास परियोजनाओं का कार्यान्वयन किया है। आपकी कंपनी ने स्वास्थ्य देख-रेख, स्वच्छता एवं प्राथमिक शिक्षा पर विशेष जोर दिया है एव भविष्य में भी समाज के उत्थान के लिए अपने प्रयासों को जारी रखेगी।

## प्रचालन संबंधी उत्कृष्टता

आप तो जानते ही हैं कि आपकी कंपनी देश की एक प्रमुख स्टैंडएलोन ईकॉमर्स कंपनी है। इसके कार्यक्षेत्र में, सेलिंग एजेंसी व्यवसाय, स्क्रैप एवं अन्य वस्तुओं की ई-बिक्री, ई-प्रोक्योरमेंट आदि शामिल है। अनुकूलित ई-कॉमर्स समाधान एमएसटीसी के प्रमुख व्यवसाय मॉडल के रूप में उभर कर सामने आए हैं। हमने पेट्रोलियम इंडस्ट्री के लिए एग्जिम पोर्टल, एलपीजी डीलरशिप के चयन के लिए ऑनलाइन ड्रॉ सिस्टम, ई-रकम ( ई-राष्ट्रीय किसान एग्री मंडी) पोर्टल आदि जैसी कुछ मार्गदर्शी पहल की है।

उत्तर प्रदेश में सैण्ड माइनिंग ब्लॉक एवं आईओसीएल के एग्जिम-प्रोडक्ट्स की ई-नीलामी हाल के दिनों के हमारे विशिष्ट कार्यकलाप रहे हैं।

हमारा ट्रेडिंग व्यवसाय आयात एवं बीजी समर्थित मॉडल के माध्यम से आयात वित्त पोषण से है जिसने कुल प्रचालनीय आय में $35 \%$ का योगदान दिया है। एमएसटीसी ने विद्युत उत्पादन कंपनियों को ₹ 272 करोड़ मूल्य के आयातित कोयले की भी आपूर्ति की है।

देवियो और सज्जनो, हम सभी जानते हैं कि पूर्वोत्तर क्षेत्र वन सम्पदा से सम्पन्न क्षेत्र है, देश के कुल वन क्षेत्र में इसकी भागीदारी 22.21 प्रतिशत है। कृषि अनुकूलित जलवायु दशा ने विभिन्न प्रकार एवं उत्कृष्ट गुणवत्ता के फल, सब्नी, लकड़ी, मसाले और दूसरे उत्पादों के उत्पादन में सहयोग दिया है। भारत सरकार की "लुक ईस्ट" एवं "एक्ट ईस्ट" नीतियों के दृष्टिकोण के साथ, एमएसटीसी ने किसानों की मदद के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं, जिससे आने वाले समय में पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र को फायदा प्राप्त होगा। एमएसटीसी एवं नाबार्ड, एनईआरएएमएसी, सीआरडब्ल्यूसी, एफपीओ आदि समेत अन्य हितधारक एक साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं ताकि पूर्वोत्तर क्षेत्र में कृषि-बागवानी ईको सिस्टम का सम्पूर्ण विकास सुनिश्चित हो पाए। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि एमएसटीसी ने कृषिबागवानी उत्पादों पर विशेष ध्यान देते हुए संपूर्ण ई-कॉमर्स समाधान प्रदान करने के लिए पूर्वोत्तर राज्यों के राज्य सरकार के साथ छतरी अनुबंध (अम्ब्रेला एग्रीमेंट) करने की योजना बनाई है।

ई-नीलामी के माध्यम से प्रमुख एवं लघु दोनों खनिज ब्लॉक की बिक्री हेतु सरकार की हाल की पहल एमएसटीसी के लिए एक अवसर लेकर आया है एवं इसने अधिकांश राज्य सरकार के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किया है, जिससे राज्य के खजाने को अच्छी आमदनी हो सकती है एवं एमएसटीसी के राजस्व में वृद्धि आएगी।

एमएसटीसी ने ई-नीलामी के जरिए देश के कई गोदामों में पड़े हुए खाद्यान्नों को बेचने के लिए नाफेड के साथ एक अनुबंध किया है। इसका क्रय भी ई-रिवर्स नीलामी के माध्यम से अनुबंध के दायरे में है। यह एमएसटीसी के लिए ई-कॉमर्स व्यवसाय में एक बहुत बड़ा अवसर लेकर आया है।

ई-प्रोक्योरमेंट एमएसटीसी के लिए संभावनाओं से भरा एक क्षेत्र है जिसके व्यवसाय को पकड़ने के लिए कंपनी तेज़ी से प्रयास कर रही है। ई-प्रोक्योरमेंट व्यवसाय क्षेत्र में अपनी गहरी पहुँच बनाने के लिए एमएसटीसी ने मल्टी ब्राउजर सुविधा शुरू की है।

CSR
Friends, your continued trust, encouragement and support drive us to improve our performance. We are committed to participate in improving the livelihood of communities and societies at large. We take up various kinds of social development projects, mostly in rural areas. Your company has given special thrust in health care, cleanliness, and primary education and will continue to work for the upliftment of society at large in future.

## Operational Excellence

As you know your company is a major standalone ecommerce Company in the country. The area includes selling agency business, e-sales of scrap and other commodities, eprocurement etc. Customized e-commerce solutions have emerged as major innovative business models of MSTC. Here we have developed Exim Portal for Petroleum Industry, Online Draw System for selection of LPG dealership, e-RaKAM (eRashtriya Kishan Agri Mandi) Portal etc., to name a few.

E-auction of sand Mining blocks in UP and eximproducts of IOCL have been the signature events in the recent past.

The trading business, which comprise of import and import financing through BG backed model, contributed to $35 \%$ of the total operational income. MSTC also supplied imported coal worth ₹ 272 Crore to power generating companies.

Ladies \& Gentlemen, we all know that North East Region is rich in forest wealth constituting 22.21 percent of total forest area in the country. Agro Climatic condition favors growth of niche variety of fruits, vegetables, timber, spices and other products. In line with the "Look East" and "Act East" policies of the Government of India, MSTC has taken many steps with a view to benefit the farmers which will subsequently benefit the entire North East Region. MSTC and other stakeholders including NABARD, NERAMAC, CRWC, FPOs, etc. are working together for overall development of the Agri-horti EcoSystem in the North East Region. I am delighted to inform you that MSTC plans to enter into umbrella agreement with the State Government of the North East States for providing complete e-commerce solutions with a focus on Agri-horti products.

The recent initiative of the Government for sale of mineral blocks, both major and minor, through e-auction has also opened window of opportunity for MSTC and it has signed agreement with most of the State Governments, which may yield positive results to the exchequer of the states and fetch revenue to MSTC.

MSTC has signed an agreement with NAFED to sell the food grain lying with various godowns in the country through eauction. Procurement of the same is also within the ambit of agreement through e-reverse auction. This offers a huge opportunity for MSTC fore-Commerce business.

E-procurement is another potential area in which MSTC is making a rapid stride to grab the business. MSTC has introduced multi browser facility to make much deeper dent in the e-procurement domain of business.

## आर्थिक एवं व्यवसाय परिवेश

प्रिय दोस्तो, एमएसटीसी के व्यवसाय में निम्नलिखित अवसर एवं संकट हैं :
अवसर
i) ई-कॉमर्स : एमएसटीसी देश में एक प्रमुख स्टैंडएलोन ई-कॉमर्स सेवा प्रदाता के रूप में उभर कर सामने आया है। भारत सरकार की मार्गदर्शी परियोजनाओं समेत कई नए एवं विविध व्यवसाय क्षेत्रों में प्रवेश करते हुए, एमएसटीसी ने इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की अपनी संभावना को कई गुना बढ़ाया है।
ii) पुनर्चक्रण (रिसाइक्लिंग) क्षेत्र : एमएसटीसी पुनर्चक्रण नीति के निरूपण में कई बेहतरीन पहलों को नेतृत्व दे रही है, ऑटोमोबाइल क्षेत्र एवं ई-वेस्ट निपटान हेतु रिसाइक्लिंग प्लांट की स्थापना में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका ने एमएसटीसी के लिए कई नए अवसर उत्पन्न किए हैं, जिससे एमएसटीसी वृद्धि की मसाल पकड़ते हुए सबसे आगे रहेगी।
iii) विदेशों में बढ़ते कदम : पेट्रोलियम उत्पादों का आयात निर्यात : एमएसटीसी ने अपने पेट्रोलियम उत्पादों के लिए आईओसीएल हेतु आयात एवं निर्यात निविदाओं के लिए संपूर्ण प्रक्रियाओं को उसकी जटिलताओं के साथ डिजिटाइजेशन करते हुए एक विशिष्ट पोर्टल का विकास किया है और इस प्रकार अपनी उपलब्धियों में एक और रत्न विभूषित किया है। पोर्टल सेवाएँ इसके वैदेशिक संयुक्त उद्यम इकाइयों को उपलब्ध करायी जाएंगी, जो आने वाले दिनों में एमएसटीसी को उसके विदेशी व्यापार में और सशक्त बनाएंगी।
iv) सूचीयन : एमएसटीसी को इस वित्त वर्ष में सूचीबद्ध किया जाना अपेक्षित है, इससे अधिकाधिक लोग इसे जान पाएंगे और फिर व्यवसाय में वृद्धि आएगी।

## संकट

i) जीईएम पोर्टल : अवस्थिति में अवसर की कमी : क्रय के लिए जीईएम पोर्टल का प्रयोग करने के सरकारी निर्देश के साथ, वस्तुओं का ई-प्रोक्योरमेंट व्यवसाय प्रभावित होगा। ई-प्रोक्योरमेंट की कार्य-परिधि में कमी आएगी, क्योंकि किसी भी निगम के व्यवसाय का एक बड़ा हिस्सा वस्तुओं के क्रय पर खर्च किया जाता है।
ii) ट्रेडिंग व्यवसाय : नीति के अंतर्गत, एमएसटीसी ने पारंपरिक ट्रेडिंग व्यवसाय में इसकी जोखिम अवस्थिति को देखते हुए सुरक्षित मार्ग अपनाया है। हालांकि यह इसके पुनरुत्थान का प्रयास कर रही है, परंतु आर्थिक वृद्धि की धीमी रफ्तार एवं एनपीए में जबरदस्त वृद्धि ने ऋण प्रणाली को अस्थिर कर दिया है। इसके फलस्वरूप एक मुश्किल परिस्थिति उत्पन्न हुई है।
निवेशक सेवाएँ
मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि इस साल आगे की निरंतर कार्यवाहियों के साथ हमने शेयरधारकों के बैंक अकाउंट के विवरण को एकत्रित किया है और पहली बार, लाभांश सीधे बैंक अकाउंट में जमा किया जाएगा। 544 शेयरधारकों में से, लगभग 400 शेयरधारकों ने अपने बैंक का विवरण दिया है एवं उनके बैंक अकाउंट में हम लाभांश प्रदान करेंगे। शेष व्यक्तियों को लाभांश वारंट जारी किया जाएगा।

दोनों ही डिपॉजिटरी अर्थात् एनएसडीएल एवं सीडीएसएल में कंपनी के शेयर अभौतिकीकृत हुए हैं। 544 शेयरधारकों में से 335 शेयरधारक डिमैट रूप में शेयर धारण कर रहे हैं। मैं सभी शेयरधारकों से अनुरोध करता हूँ कि अपने शेयर को अभौतिकीकृत कराएं। शेयरधारकों से उनके बैंक अकाउंट भी कंपनी के साथ अद्यतन कराने का अनुरोध किया जाता है, ताकि लाभांश सीधे उनके अकाउंट में स्थानांतरित किया जा सके। पिछले दशक में हमारे यहाँ एक भी शेयरधारक की शिकायत दर्ज नहीं हुई है।

जैसा कि पहले बताया गया है कि भारत सरकार ने आईपीओ के माध्यम से कंपनी में अपनी धारिता का लगभग $25 \%$ विनिवेश करने का निश्चय किया है।

## Economic and Business Environment

Dear Friends, MSTC's business is having the following opportunities and threats:

## Opportunities

i) E-Commerce: MSTC has emerged as a major standalone e-commerce service provider in the country. With its foray into new and diverse business verticals including the flagship projects of the Govt. of India, it has an immense potential to grow multifold in this arena.
ii) Recycling Sector: MSTC is spearheading the initiatives of framing a recycling policy, its pivotal role in setting up recycling plant in the automobile sector and e-waste throws open many opportunities for MSTC to be the front runner holding the torch for growth.
iii) Foreign Footprints - Exim of petroleum products: MSTC has added one more feather to its cap by developing an exclusive portal for the import and export tenders for IOCL for its petroleum products digitizing the entire process with its complexities. The portals services are to be extended to its overseas Joint Venture units empowering MSTC to make its footprints overseas in the days to come.
iv) Listing-MSTC is slated to be listed in this fiscal year which will increase its visibility and thereby its business.

## Threats

i) GeM portal - reducing opportunity in exposure: With the Govt.'s directive to use the GeM Portal for purchases, the business in e-procurement of goods will take a hit. The scope of work in e-procurement gets a bit downsized, as a major percentage of any Corporation's business is spent on procurement of goods.
ii) Trading business: As a policy matter, MSTC has decided to go safe in the traditional trading business due to the extent of risk involved. Though it is making efforts to resurrect the same, the slowness of the economic growth and the exponential increase in NPAs etc has destabilized the credit system and it poses a difficult scenario.

## Investor Services

I am glad to inform you that this year, with continuous follow up, we have collected the bank accounts of shareholders and for the first time, dividend shall be credited to bank accounts. Out of 544 shareholders, around 400 have given bank details and we will issue dividend to their Bank Accounts, for the rest, we will issue dividend warrants.

The Company's shares have been dematerialised in both the depositories, i.e., NSDL and CDSL. 335 shareholders out of 544 are holding shares in demat mode. I would like to request all the shareholders to get their shares dematerialized. Shareholders are also requested to update their bank account with the company so that dividend can be transferred to their account directly. We do not have any record of a single shareholder grievance in the last decade.

As mentioned earlier, the Government of India has decided to disinvest around $25 \%$ of their holding in the Company through IPO. The Lead Manager \& Legal advisors have already been appointed. We hope to enhance the shareholders value in the coming years too.

